लोक सभा अध्यक्ष जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के आठवें शिखर सम्मेलन (पी 20) में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे

...

श्री बिरला "प्रभावी संसद, जीवंत लोकतंत्र" और "उभरते मुद्दे: खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, और आर्थिक चुनौतियां" विषयों पर प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे

...

सम्मेलन के समापन पर लोक सभा अध्यक्ष अपने विशेष संबोधन में जी-20 देशों के अध्यक्षों को पी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे

...

सम्मेलन में भाग लेने के साथ श्री बिरला अन्य संसदों से आए अध्यक्षों से भेंट करेंगे

...

नई दिल्ली, 3 अक्तूबर 2022: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला के नेतृत्व में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के आठवें शिखर सम्मेलन (पी20) में भाग लेने के लिए 5-7 अक्टूबर 2022 तक जकार्ता, इंडोनेशिया का दौरा करेगा।

इस शिष्टमंडल में राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश, लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी भी शामिल होंगे। लोक सभा सचिवालय में संयुक्त सचिव, डॉ. अजय कुमार शिष्टमंडल के सचिव हैं।

पी20 का समग्र विषय "सतत सुधार के लिए सशक्त संसद" है। प्रतिनिधि समग्र विषय के व्यापक दायरे के भीतर चार उप-विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। शिखर सम्मेलन के अंत में एक संयुक्त वक्तव्य स्वीकार किया जाएगा।

लोक सभा अध्यक्ष सम्मेलन के तीसरे सत्र के दौरान "प्रभावी संसद, जीवंत लोकतंत्र" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। वह दूसरे सत्र के दौरान "उभरते मुद्दे: खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, और आर्थिक चुनौतियां" विषय पर होने वाली चर्चा में भी भाग लेंगे। राज्य सभा के माननीय उपसभापति, चौथे सत्र के दौरान "सामाजिक समावेशन, लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता" विषय पर चर्चा में भाग लेंगे।

समापन सत्र के दौरान, लोक सभा अध्यक्ष अपने विशेष संबोधन में जी -20 देशों के अध्यक्षों को भारत की संसद की अध्यक्षता में 2023 में भारत में होने वाले 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के साथ ही श्री बिरला अन्य संसदों के अध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

पी 20 जी- 20 के सदस्य देशों की संसदीय शाखा है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 80 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार के 75 प्रतिशत से अधिक और दुनिया की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करती है।